

अंतर्राष्ट्रीय चीता दविस

स्रोत: ICD

वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष 4 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय चीता दविस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन चीता की विलुप्तिको रोकने तथा इसके संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वैश्विक प्रयासों को महत्त्व देने को समर्पित है।

- अमेरिका की प्राणी वज्जानी डॉ. लॉरी मार्कर (जो वर्ष 1991 में International Cheetah Day की संस्थापक थीं) ने इस दिन को International Cheetah Day नामक चीते (जिसें उन्होंने पाला था) के सम्मान में नामित किया।
- चीता:
 - चीता (Acinonyx jubatus) Acinonyx jubatus का हस्सा है और सबसे पुरानी बड़ी बल्लि प्रजातियों में से एक है, जिनका इतिहास 5 मिलियन वर्ष पूर्व के मायोसीन युग (भू-वैज्ञानिक काल 23.03 से 5.333 मिलियन वर्ष पूर्व) से संबंधित है।
 - ये विश्व में सबसे तीव्रता से गमन करने वाले स्थलीय स्तनधारी (जो अफ्रीका और एशिया के कुछ हस्सों में पाए जाते हैं) हैं।
 - ये अफ्रीका में अपने ऐतिहासिक क्षेत्र के 75% से अधिक भाग से लुप्त हो चुके हैं तथा पछिले दो दशकों में इनकी संख्या में 30% से भी अधिक की गिरावट आई है।
 - विश्व स्तर पर नामीबिया में सबसे अधिक चीता हैं।
 - चीता स्थानांतरण परियोजना के तहत वर्ष 2022 और 2023 में नामीबिया तथा दक्षिण अफ्रीका से चीतों को भारत लाया गया।

और पढ़ें: प्रोजेक्ट चीता का एक वर्ष